कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, अमरेली, गुजरात के बी. एस. सी. एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों का आफरी भ्रमण

दिनांक 26/10/18 को कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर , जूनागढ़ एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी , मोटा भंडारिया अमरेली , गुजरात के बी . एस. सी. एग्रीकल्चर के 36 विद्यार्थियों ने डॉ. सारंग एस. सप्रे , एसिस्टेंट प्रोफेसर के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर शोध कार्यों की जानकारी ली। भ्रमण के प्रारम्भ में भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन, लवणीय भूमि का पुनर्वासन, वन प्रकार, कृषि वानिकी पद्धतियाँ, चारागाह मॉडल से संबन्धित सूचनाओं इत्यादि तथा वनोत्पाद जैसी सामग्री के बारे में जानकारी दी। श्री चौधरी ने संभाषण द्वारा वृक्षों के परोक्ष एवं अपरोक्ष लाभ बताते हुए तथा पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बतायी तथा पोलिथीन के दुष्प्रभावों की चर्चा की ।

तत्पश्चात भ्रमणकारी दल को सेमिनार हॉल में पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी भी श्री उमाराम चौधरी द्वारा करायी गयी। भ्रमणकारी दल को संस्थान का प्रचार-प्रसार साहित्य भी उपलब्ध कराया गया।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. बिलास सिंह , सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया। भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती मीता सिंह तोमर का सहयोग रहा।

उष्ण कटिबंधीय नम पर्णपाती वन

IMPORTANT TREE SPECIES FOR OUR REGION
हमारे क्षेत्र की महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियाँ

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद